Roll No.: .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 1

W-3416

M.A.(Fourth Semester) Examination, June-2020

HINDI

Paper - 404

Ramchandra Shukla (आचार्य पं. रामचन्द्रशुक्ल)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students)

Minimum Pass Marks : 29

Maximum Marks : 100 (For Private Students)

Minimum Pass Marks : 34

नोट : i) **सभी** प्रश्न हल कीजिए।
ii) प्रश्नों के अंक उनके समक्ष अंकित हैं।
iii) प्रश्नों का क्रम बनाये रखिये।

Q.1. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये। 17/20

अ) दुःख की श्रेणी में प्रवृत्ति के विचार से करूणा का उलटा क्रोध है। क्रोध जिसके प्रति उत्पन्न होता है, उसकी हानि की चेष्टा की जाती है। करूणा जिसके प्रति उत्पन्न होती है, उसकी भलाई का उद्योग किया जाता हैं।

ब) एक बड़े प्रबंध–काव्य में प्राकृतिक दृश्यों का श्रोता के भाव के आलम्बकरूप में वर्णन भी आवश्यक हैं, और यह स्वरूप उन्हें तभी प्राप्त हो सकता है, जब उनका चित्रण ऐसे ब्योरे के साथहो कि उनका बिम्बग्रहण हो, उनका पूर्ण स्वरूप पाठ्क या श्रोता की कल्पना में उपस्थित हो जाये।

स) कविता मनुष्य के हृदय को व्यक्तिगत सम्बन्ध के संकुचित मण्डल से ऊपर उठकर लोक–सामान्य भावभूथि पर लेजाती हैं, जहाँ जगत् के नाना रूपों और व्यापारों के साथ उसके प्रकृत सम्बन्ध का सौन्दर्य दिखाई पड़ता है। इस सौन्दर्य के अभ्यास से हमारे मनोविकारों का परिष्कार और जगत के साथ हमारे रागात्मक सम्बन्ध की रक्षा और निर्वाह होता हैं।

Q.2. आधुनिक हिन्दी गद्य की प्रमुख विद्याओं की जान कारी देते हुये, काल विभाजन कीजिये। 17/20

Q.3. आचार्य पं.रामचन्द्र शुक्ल की साहित्यिक जीवन यात्रा का परिचय दीजिये। 17/20

Q.4. करूणा किस श्रेणी का मनोविकार है, तर्क सहित समझाइये। 17/20

Q.5. बाबू गुलाबराय के निबन्धों का शिल्प विधान को समझाइये। 17/20